दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 19-09-2025

छात्रों के समग्र विकास और चरित्र निर्माण पर किया किया विमर्श

जींद. सीआरएसयू में मुद्दों को लेकर बैठक करते हुए।

जींद| सीआरएसयू में 40वीं कार्यकारी परिषद की बैठक विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में हुई। यह बैठक विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशासनिक क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप समग्र विकास, नवाचार और समावेशिता को बढ़ावा देने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता इस बैठक में स्पष्ट रूप से झलकी।

वीसी प्रो. डॉ. राम पाल सैनी ने विश्वविद्यालय के छात्रों के समग्र विकास, सहज और सरल शिक्षण प्रक्रिया, कौशल-आधारित शिक्षा, 100 प्रतिशत प्लेसमेंट के प्रयासों और छात्रों में अच्छे मानवीय मूल्यों व चरित्र निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्रदान करना है, बल्कि हमारे छात्रों को नैतिकता, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनाना है। अर्थशास्त्र, भौतिकी, और शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसरों की प्रोन्नति को मंजूरी दी गई, इसके साथ-साथ जेई (सिविल) से एसडीओ (सिविल) के पद पर प्रोन्नति को मंजूरी दी गई, दो कर्मचारियों को एसीपी लाभ दिया गया, जिससे विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास को और गति मिलेगी।

पंजाब केसरी

Date – 19/09/2025

पंजाब केसरी FRI, 19 SEPTEMBER 2025
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 3

सी.आर.एस.यू. में कार्यकारी परिषद की 40वीं बैठक आयोजित

जींद, 18 सितम्बर (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वीरवार को 40वीं कार्यकारी परिषद की बैठक कुलगुरु प्रो. डॉ. रामपाल सैनी की प्रेरणादायी अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में आयोजित की गई।

यह बैठक विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशासनिक क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप समग्र विकास, नवाचार और समावेशिता को बढ़ावा देने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता इस बैठक में स्पष्ट रूप से झलकी।

बैठक का शुभारंभ विश्वविद्यालय की प्रगति पर एक प्रभावशाली और सूचनात्मक प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसमें पिछले वर्ष की उपलब्धियों, जैसे छात्र नामांकन में वृद्धि, बुनियादी ढांचे का विकास और अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित किया गया। अपने स्वागत भाषण में, कुलगुरु ने विश्वविद्यालय के छात्रों के समग्र विकास, सहज और सरल शिक्षण प्रक्रिया, कौशल-आधारित शिक्षा, 100 प्रतिशत प्लेसमैंट के प्रयासों और छात्रों में अच्छे मानवीय मूल्यों व चरित्र निर्माण पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्रदान करना है, बल्कि हमारे छात्रों को नैतिकता, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनाना है।

बैठक में मौजूद परिषद सदस्य।

बैठक में प्रो. लवलीन मोहन, नॉमिनी वित्त विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार, प्रो. विशाल वर्मा, प्रो. सत्यवान बड़ौदा, प्रो. अनीता यादव, प्रो. राजेश मलिक, प्रो. सुनील फोगाट, डॉ. अनुपम भाटिया, डॉ. अंजना लोहान मौजूद रहे

विचार-विमर्श के बाद इन पर सर्वसम्मति से मंजूरी : अर्थशास्त्र, भौतिकी और शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफैसरों की प्रोन्नति को मंजूरी दी गई। इसके साथ-साथ जे.ई. (सिविल) से एस.डी.ओ. (सिविल) के पद पर प्रोन्नति को मंजूरी दी गई। 2 कर्मचारियों को ए.सी.पी. लाभ दिया गया, जिससे विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास को और गति मिलेगी।

परिषद ने विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों (यू.टी.डी.) और संबद्ध डिग्री कॉलेजों में चल रहे यू.जी., पी.जी. कार्यक्रमों के छात्रों के लिए पी.जी. के तीसरे सैमेस्टर और यू.जी. के 5वें सैमेस्टर, साथ ही बी.एड. विशेष, बी.पी.एड., डी.पी.एड., बी.पी.ईएस., एम.पी.ईएस., बी.ए.बी.एड. इंटीग्रेटेड, बी.एससी.बी.एड. इंटीग्रेटेड, एम.एड., एम.एड. विशेष, पी.जी.डी.आर.पी. और बी.एल.एड. के लिए मर्सी चांस को मंजूरी दी, जिससे छात्रों को अपनी शैक्षणिक यात्रा को पूर्ण करने का एक और अवसर मिलेगा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली और भारतीय बार काऊंसिल की पूर्व शैक्षणिक सत्र की शुल्क वापसी नीति को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए मंजूरी दी गई, प्रबंधन विभाग में मास्टर ऑफ बिजनैस एडमिनिस्ट्रेशन (एग्जीक्यूटिव) के शुल्क को शैक्षणिक सत्र 2024-25 से 60,000 रुपए से घटाकर 40,000 रुपए करने की मंजूरी दी गई, यू.जी., पी.जी. कार्यक्रमों के छात्रों के लिए इंटर्नशिप दिशा-निर्देशों को मंजूरी दी गई, स्थायी पीएच.डी. अध्यादेश समिति की सिफारिशों को मंजूरी दी गई, जिससे अनुसंधान कार्यक्रमों में गुणवत्ता और मानकीकरण सुनिश्चित होगा।

विधि संकाय द्वारा तैयार एलएल.एम. (2 वर्षीय) कार्यक्रम, बी.ए. एलएल.बी (ऑनर्स) पांच वर्षीय कार्यक्रम और एलएल.बी (ऑनर्स) तीन वर्षीय, बी.टैक., योग विज्ञान, लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस कार्यक्रम के अध्यादेश को मंजूरी दी गई। बैठक के समापन पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी कार्यकारी परिषद के सदस्यों को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

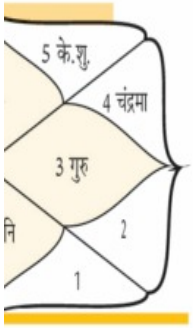

प्रात: साढ़े दस से दोपहर बारह बजे तक।
हार: तिथि त्रयोदशी का श्राद्ध, मघा श्राद्ध,
शिवरात्रि व्रत।
नंद शांडिल्य ज्योतिष रिसर्च
मोता सिंह नगर, जालंधर।

धनु : धार्मिक तथा सामाजिक कामों रुचि, इरादों में मजबूती, ाम कामों के लिए भी तारा अच्छा।

अमर उजाला

Date – 19/09/2025

विश्वविद्यालय का उद्देश्य नैतिकता देना : कुलपति

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में 40वीं कार्यकारी परिषद की बैठक कुलपति प्रोफेसर राम पाल सैनी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में आयोजित की गई। कुलपति ने कहा कि उनका उद्देश्य न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्रदान करना है, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिकता, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनाना है। संवाद

दैनिक जागरण

Date – 19/09/2025

सीआरएसयू में हुई बैठक, 12 कर्मियों की होगी पदोन्नति

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में 40वीं कार्यकारी परिषद की बैठक वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी की अध्यक्षता में सीनेट हाल में हुई। बैठक की शुरुआत विश्वविद्यालय की प्रगति पर एक सूचनात्मक प्रस्तुति के साथ हुआ। जिसमें पिछले वर्ष की उपलब्धियों छात्र नामांकन में वृद्धि, बुनियादी ढांचे का विकास और अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित किया गया।

कार्यकारी परिषद की बैठक में वीसी प्रोफेसर आरपी सैनी व सदस्य। • सौ. विवि

स्वागत भाषण में वीसी ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के समग्र विकास, सहज और सरल शिक्षण प्रक्रिया, कौशल-आधारित शिक्षा, शत प्रतिशत प्लेसमेंट के प्रयासों और छात्रों में अच्छे मानवीय मूल्यों व चरित्र निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्रदान करना है, बल्कि हमारे छात्रों को नैतिकता, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनाना है।

यह बैठक विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशासनिक क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप समग्र विकास, नवाचार और समावेशिता को बढ़ावा देने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता इस बैठक में स्पष्ट रूप से झलकी। बैठक के समापन पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी कार्यकारी परिषद के सदस्यों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। बैठक में रजिस्ट्रार प्रोफेसर लवलीन मोहन, नामिनी वित्त विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार, प्रोफेसर विशाल वर्मा, प्रोफेसर सत्यवान बड़ौदा, प्रोफेसर अनीता यादव, प्रोफेसर राजेश मलिक, प्रोफेसर सुनील फोगाट, डा. अनुपम भाटिया, डा. अंजना लोहान मौजूद रहे। अर्थशास्त्र, भौतिकी और शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसरों की प्रोन्नति को मंजूरी दी गई। इसके साथ- साथ जेई (सिविल) से एसडीओ (सिविल) के पद पर प्रोन्नति को मंजूरी दी गई।